SHRI K. G. MAHESHWARAPPA: Madam, the Budget papers were distributed... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Which Budget?

SHRI K. G. MAHESHWARAPPA: Karnataka Budget. (*Interruptions*). My point is, the Finance Minister... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter cannot be discussed.

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : मैडम्, मझे एक बहुत महत्वपूर्ण बात करनी है। मैंने सभापति महोदय से आदेश भी लिया है।...(**व्यवधान**)

SHRI V. NARAYANASAMY: Under what rules is he raising this matter? (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, please sit down. Please take your seat. Please take your seat. I know the rules. I will tell him. I can tell him what I have to tell him. (*Interruptions*).

SHRI K. G. MAHESHWARAPPA: Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Maheshwarappa, will you please listen to me? (*Interruptions*). Just a minute. There is a convention in this House that we don't discuss the matter of a State Assembly. I am not going to take this matter over here. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Constitutional machinery has broken down in Karnataka. That is the point he is trying to make. Madam, the Rajya Sabha is the Council of States. The Constitutional machinery has broken down in Karnataka. The Assembly is not working there. The Government is not working in Karnataka. (*Interruptions*).

Re. Demand for Shri Rajiv Gandhi's Portrait in the Central Hall

डा० रत्नाकर पाण्डेय : (उत्तर प्रदेश) माननीय उपसभापति महोदय, मैं यह मांग करता हूं कि (**व्यवधान**) मैडम मुझे बोलने दीजिए... (**व्यवधान**)

उपसभापति : आप बोलिए, आपको कौन मना कर रहा है

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय उपसभापति जी, इस देश में राजीव गांधी के निधन के बाद एक बहुत बड़ी मांग हम सारे सदस्यों की यह रही है.... (**व्यवधान**)

उपसभापति : बैठिए, बैठिए... (**व्यवधान**)

Please take your seat (*Interruptions*).

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, राजीव गांधी के निधन के बाद इस देश में इस संसद में आज चौथी बार मैं इस मांग को लेकर खड़ा हुआ हूं कि संसद के केन्द्रीय कक्ष में राजीव गांधी का एक तैलचित्र लगाया जाए। महोदया, 21 मई को राजीव गांधी के निधन को एक वर्ष पूरा हो जाएगा लेकिन हमारी सरकार ने अभी तक इस बारे मे कोई कार्यवाही नहीं की है और न ही हम सदस्यों को कोई आश्वासन दिया है कि राजीव गांधी का तैलचित्र सेंट्रल हाल में लगेगा। महोदया, यह राजीब गांधी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का सरकार के लिए एक सुनहरा मौका है। महोदया, मैंने पहले भी मांग की थी कि उनका तैलचित्र लगाया जाए सेंट्रल हाल में लेकिन आज तक नहीं लगा यह बड़ी दुःखद बात है और सरकार कान में तेल डालकर बैठी हुई है....... (**व्यवधान**)

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, राजीव गांधी को भारत रत्न की उपाधि से विभूषित किया गया है, उनका तैलचित्र सेंट्रल हाल में लगना चाहिए। मैं मांग करता हूं कि 21 मई से पहले उनका तैलचित्र सेंट्रल हाल में लगाया जाए... (**व्यवधान**)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, यह मामला कई बार उठाया गया लेकिन सरकार कान में तेल डालकर बैठी हुई है... (व्यवधान) सरकार को कृतज्ञ होना चाहिए उनके प्रति ।

श्री सुरेश पचौरी : महोदया, आप सरकार को आदेश दीजिए कि 21 मई से पहले उनका तैलचित्र सेंट्रल हाल में लगाया जाए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : चार बार उठा चुका मैं इस मामले को । सारा सदन इस बात की मांग करता है कि हमारे स्वर्गीय नेता का तैलचित्र सेंट्रल हाल में लगाया जाए । उनके बलिदान पर यह सरकार सत्ता में आई है... (व्यवधान)

उपसभापति : पाण्डेय जी, जरा बैठिए.. (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : महोदया, उनका तैलचित्र संसद में न लगना उनकी बत बड़ी उपेक्षा है ... (व्यवधान)

उपसभापति : आप जरा बैठिए। यह सेंट्रल हाल का जो मसला है, इससे पहले भी मैंने कहा था कि जनरल परपजज कमेटी है और जो स्पीकर, लोकसभा है वह इस बारे में निर्णय लेते हैं । इस मसले को मैं स्पीकर साहब को चिट्ठी लिखकर भेजूंगी और आपके सेंटीमेंट्स में उन तक पहुंचा दूंगी ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, 21 मई से पहले जरूर लगवा दीजिए, यह आपसे प्रार्थना है । मैडम, मैं कह रहा हूं कि... (वयवधान)

उपसभापति : बैठिए, मैंने कह दिया है... (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, करेंसी पर भी राजीव गांधी का नाम होना चाहिए, यह मांग मैं आपके माध्यम से करता हूं और 21 मई को उनकी स्मृति में सिक्का चालू होना चाहिए ।

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के एक गांव पथरदेवा में पुलिस ने जिस तरह से लल्लन नाम के व्यक्ति के घर में घुसकर, वहां पर उनकी महिलाओं के साथ जिस तरह से बलात्कार हुआ है, वह बहुत ही शर्मनाक बात है । मैं परसों वाक्ये की सूचना पाकर वहां गया था और महोदया, उस गांव में कोहराम मचा हुआ है । महोदया, यह बहुत ही शर्मनाक बात है । महोदया, कई नारियों के साथ इस तरह की बात हुई है । यह हमारे लिये कलंक की बात है । इसलिए मैं कहूंगा कि सदन की एक कमेटी बनाई जाए जो वहां जाकर सारी बातों का पता लगाए और पता लगाकर सारे तथ्यों को इस सदन के सामने रखे । महोदया, वहां की सरकार सारी बात पर परदा डाल रही है.... (व्यवधान)

उपसभापति : मिस्टर अमीन, आप बोलिए... (व्यवधान)

श्री राम नरेश यादव : महोदया, वह कमेटी दोषियों का पता लगाए । मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहता हूं कि सदन की एक कमेटी वहां भेजी जाए ताकि 4 महिलाओं के साथ जो ज्यादती हुई है, उसके दोषियों का पता लग सके । महोदया, वह होम मिनिस्टर का घर है, वह कांस्टीट्युऐंसी है उनकी........ (व्यवधान)

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब, आपका घर है ?

श्री राम नरेश यादव : महोदया, सरकार उन अधिकारियों की करतूत पर परदा डाल रही है, रिपोर्ट तक नहीं आई है । सारे लोग परेशान हैं । इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं ।

श्री सुरिन्दरजीत सिंह अहलूवालिया (बिहार) : महोदया, इसके पहले भी उत्तर प्रदेश में एक विधवा के साथ जो अन्याए

हुआ कि उसकी मांग में सिंदूर डालकर उसका परिवार नियोजन का आपरेशन किया गया, यह मामला मैंने सदन में उठाया था और गृह मंत्री ने आश्वासन दिया था कि वह इस मामले की जांच करवाकर सदन को अवगत कराएंगे पर अभी तक कोई सूचना सदन को नहीं मिली। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कोई सूचना दी है या नहीं दी है ? उस 62 साल की विधवा का फैमिली प्लानिंग का आपरेशन किया गया, इस बारे में अभी तक कोई खबर क्यों नहीं आई है, होम मिनिस्टर बताए।

गृह मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण) : महोदया, जानकारी उत्तर प्रदेश गवर्नमेंट के पास से आते ही सदन को बता दिया जाएगा।

Re. STRIKE BY TEXTILE WORKERS IN WEST BENGAL

श्री मोहम्मद अमीन (पश्चिमी बंगाल) : महोदया, पश्चिमी बंगाल में 2 लाख टैक्सटाइल के मजदूर 44 दिन से हड़ताल पर हैं। स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से मालिकों को समझाने-बुझाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन मालिक अड़े हुए हैं, वह मान नहीं रहे हैं जिसकी वजह से देश का फारेन ऐक्सचेंज नष्ट हो रहा है। 2 लाख लोग बेरोजगार हैं। इसलिए मंत्री जी, अशोक गहलोत साहब से मैं दरख्वास्त करूंगा कि मरकजी हुकूमत की तरफ से इसमें मदाखलत होनी चाहिए। मंत्री जी कलकत्ता जाकर मालिकों को डांट दें तो यह फैसला हो जाएगा, उनकी मांग का फैसला हो जाएगा। यही मेरा मतालबा है।

†[شری محمد امین (پشچمی بنگال):
مہودیہ پشچمی بنگال میں دو لاکھ ٹیکسٹائل کے مزدور ۴۴ دن سے ہڑتال پر ہیں اسٹیٹ گورنمنٹ کی طرف سے مالکوں کو سمجھانے بجھانے کی کوشش کی جا رہی ہے - لیکن مالک اڑے ہوئے ہیں - وہ مان نہیں رہے ہیں جسکی وجہ سے دیش کا فارن ایکسچینج نشٹ ہو رہا ہے دو لاکھ لوگ بے روزگار ہیں - اسلئے منتری جی اشوک گہلوت صاحب سے میں درخواست کرونگا کہ مرکزی حکومت کی طرف سے اسمیں مداخلت ہونی چاہئے - منتری جی کلکتہ جاکر مالکوں کو ڈانٹ دیں تو یہ فیصلہ ہو جائیگا - یہی میرا مطالبہ ہے -]

Re. DEMAND TO BAN LTTE

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): It is now almost 8 months since the assassination of Mr. Rajiv Gandhi and the organisation responsible, the LTTE, is still not banner by the Central Government. This demand has been made by almost all the sections in Tamil Nadu. Yet, the Centre has not acted on this. I would like to know as to why this issue has been taken so casually. If an organisation is found responsible for the assassination of a person like Mr. Rajiv Gandhi, a foreign organisation, why is it not being banned so far? I would like to have an explanation from the Government, particularly, from the Home Minister on this. I feel there is something wrong going on as we observe from

---

†[ ] Transliteration in Arabic Script.